बी. पी. वाई-004 विश्व के धर्म

टिप्पणी : i) सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. हिन्दू धर्म में वर्णित मोक्ष का विचार क्या है? और मोक्ष प्राप्ति के विभिन्न मार्ग कौन से हैं? स्पष्ट करें। 20

अथवा

देववाद, सर्वेश्वरवाद और ईश्वरवाद जैसे धर्म के मुख्य सिद्धांतों की विस्तार से व्याख्या कीजिए। 20

2. दुख निरोध मार्ग के रूप में बौद्ध धर्म के अष्टांगिक मार्ग की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

जीसस की मूलभूत शिक्षा के रूप में 'ईश्वर के साम्राज्य' की व्याख्या कीजिए। 20

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं प्रत्येक दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में करें।

क) ऑगस्ट कॉम्टे के अनुसार धर्म क्या है? 10

ख) यहूदी धर्म की मान्यताओं एवं व्यवहारों पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए। 10

ग) धार्मिक अनुभव को परिभाषित करें। इसकी प्रकृति तथा महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

घ) नैतिकता एवं धर्म के मध्य संबंध की व्याख्या कीजिए। 10

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों में करें।

क) विज्ञान और धर्म एक दूसरे से कैसे संबंधित हैं? 5

ख) जैन धर्म के पांच महाव्रत क्या हैं? 5

ग) आदिवासी अवधारणाएं क्या हैं? 5

घ) धर्मों की बहुलता से आप क्या समझते हैं? 5

ङ) मानव की प्रकृति संबंधी कन्फ्यूशियस की समझ क्या है? 5

छ) अनेकान्तवाद का सिद्धांत क्या है? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त लेख लिखें, लगभग 100 शब्दों में।

क) अहुरा माज़दा 4

ख) सिख धर्म में मुक्ति - विचार 4

ग) न्यू तेस्तामेंत 4

घ) दिगंबर 4

च) मानववाद 4

छ) धर्मशास्त्र 4

ज) एकम सत विप्रा बहुधा वदंति 4

झ) धार्मिक भाषा 4